10 / 06 / 77 की अव्यक्त वाणी
पर आधारित योग अनुभूति

मंत्र और यंत्र के निरंतर प्रयोग से
अंतर समाप्त करना

➢➢ जाने क्या देखा मुझमे मुझे प्यार कर लिया... मेरे लाड़ले कहा और मुझे बांहों मे भर लिया

➳ _ ➳ रुहानी नशे मे मग्न बापदादा के सम्मुख बाबा रूम मे बैठी हूं

→ बाबा मुझे लक्ष्य की स्मृति दिला रहे है

■ सर्वश्रेष्ठ बनने का

→ समय का और वरदाता का वरदान मिला है

■ पुरूषार्थ का मार्ग भी एक है

■ ले जाने वाला भी एक है

→ बाबा मुझ आत्मा को एक सीन दिखाते है

■ वर्तमान स्थिति और अंतिम स्थिति में महान अंतर है

➳ _ ➳ मैं आत्मा स्वयं की चेकिंग करती हूं

→ क्या मैं आत्मा पहला मंत्र सदा स्मृति मे रखती हूं

→ क्या मैं आत्मा यंत्र को यूज करती हूं

■ मनमनाभव के मंत्र को सदा स्मृति मे रखती हूं

■ पहले मंत्र को पक्का करने का अभ्यास बढाती जा रही हूं

■ दिव्य बुद्धि के यंत्र व मंत्र से सर्व बंधन समाप्त हो गये है

■ मैं देह नही देही हूं

→ अपने को आत्मा समझ एक बाप की याद मे हूं

■ मेरा तो एक शिव बाबा दूजा न कोई

→ इन आंखो द्वारा बाबा को ही देख रही हूं

→ कानो द्वारा बाबा को ही सुन रही हूं

■ तुम्हीं संग बैठें तुम्ही संग खाऊं...

→ एक की लगन मे मगन हूं

→ स्मृति स्वरुप का अनुभव कर रही हूं

→ पहला पाठ ही महामंत्र है

→ इसी मंत्र की प्रेक्टिकल धारणा से ही

→ नम्बरवन में आ सकती हूं

➳ _ ➳ ईश्वरीय पढाई पढते गाडली स्टूडेंट की स्मृति स्वरुप रहती हूं

→ स्वयं भगवान मुझे पढाते है

■ मनुष्य से देवता बना रहे है

→ कर्म करते एक बाप की याद मे रह कर्म करती हूं

■ मैं आत्मा कर्मयोगी हूं

➳ _ ➳ मैं आत्मा ट्रस्टी हूं

→ शरीर निर्वाह अर्थ कर्म करते अपने को निमित समझती हूं

→ अपने को हल्का महसूस करती हूं

➢➢ जैसा समय वैसी स्मृति स्वरुप का अनुभव करना

➳ _ ➳ अमृतवेला विशेष वरदानी समय है

→ बाबा से सर्वशक्तियों के वरदान

→ बाप समान शक्तिशाली बनने का

→ लाइट हाऊस माइट हाऊस बनने का

→ मास्टर बीज रुप का अनुभव करती हूं

→ मंत्र और यंत्र से खुशी के उत्सव की स्टेज की महसूसता कर रही हूं

→ रायल्टी और रायल्टी की अभ्यासों बनती जा रही हूं

→ कर्म करने से पहले स्मृति स्वरुप की स्टेज पर रहती हूं

→ एक बाप की याद मे रह हर कार्य सहज हो रहे है

→ मीठे ते मीठे बाप की याद में ही रहती हूं

- जिससे प्यार होता होता है उसकी याद स्वत: ही रहती है

→ मीठे बाबा की याद मे रहने से देह का भान भूलती जा रही हूं

→ मीठे बाबा के रुहानी प्यार का अनुभव कर रही हूं

→ बाबा का एक सेकण्ड का प्यार ह ी कितना श्रेष्ठ है !

- पावरफुल बना रहा है
- हिम्मत को बढा रहा है

→ हिम्मत ही इस मरजीवा जन्म का श्वांस है

- एक कदम हिम्मत का हजार कदम बाबा के
- हिम्मते बच्चे मददे बाप

→ समर्थ बाप के साथ से मैं आत्मा समर्थी बनती जा रही हूं

→ जो हो रहा है उसे भावी समझ आगे बढती जा रही हूं

→ सर्व के प्रति कल्याण की भावना रख आगे बढती जा रही हूं

→ हर आत्मा का अपना अपना पार्ट है

- ड्रामा एक्यूरेट है

→ कैसी भी परिस्थिति हो विघ्नविनाशक के स्वमान मे स्थित

→ विघ्नों पर जीत पाकर अचर अडोल बन रही हूं

→ मंत्र और यंत्र का निरंतर प्रयोग से अंतर को समाप्त करने का पुरुषार्थ कर रही हूं